यूपी में बनी पहली मेक इन इंडिया स्ट्राइकर-फायर 9 एमएम पिस्तौल

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस)-2026 में देश में विकसित पहली घरेलू स्ट्राइकर-फायर पिस्तौल प्रदर्शित की जाएगी। ग्लॉक के पैटर्न पर विकसित यह पिस्तौल पूरी तरह स्ट्राइकर-फायर सिस्टम पर आधारित है। पॉलिमर बॉडी वाली पिस्तौल का वजन करीब 700 ग्राम है और यह विदेशी पिस्तौलों की तुलना में करीब 30 फीसदी तक सस्ती होगी। इसे लखनऊ डिफेंस कॉरिडोर में कैमस्टार ग्रुप ने विकसित किया है।

कैमस्टार डिफेंस के निदेशक रिक्की स्याल के मुताबिक, सरकारी इस्तेमाल के लिए 9 एमएम संस्करण में 15 राउंड और सिविल इस्तेमाल के लिए .45 बोर संस्करण में नौ राउंड की क्षमता होगी। स्लाइड और बैरल धातु के, जबकि बेस व सपोर्ट स्ट्रक्चर पॉलिमर के होंगे। पिस्तौल का हैमर-लेस डिजाइन और हर शॉट में एक समान ट्रिगर पुल इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। इसमें बाहरी हथौड़े के बजाय स्प्रिंग-लोडेड फायरिंग पिन (स्ट्राइकर) होती है।

पॉलिमर बॉडी पिस्तौल का वजन करीब 700 ग्राम

पुलिस के लिए 9 एमएम की 15 राउंड पिस्तौल

रनिया और लखनऊ में उत्पादन : कैमस्टार डिफेंस के उत्पादन संयंत्र कानपुर देहात के रनिया और लखनऊ डिफेंस कॉरिडोर में हैं। लखनऊ प्लांट में करीब 125 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है और यहां सालाना करीब 25 हजार पिस्तौल बनाने की क्षमता होगी। कंपनी इसे 100 फीसदी घरेलू पिस्तौल के रूप में पेश कर रही है। लखनऊ प्लांट में कैमशॉट आर्मर प्लेट्स नाम से सिरेमिक प्लेट भी बनाई जाएंगी। दो से 13 एमएम मोटाई वाली इन प्लेटों का इस्तेमाल बुलेटप्रूफ जैकेट और वाहनों में होगा। कंपनी के मुताबिक, डीआरडीओ की मदद से विकसित तकनीक पर आधारित प्लेटों का परीक्षण एके-47 और स्नाइपर राइफल की गोलियों के खिलाफ भी किया जा चुका है।